शैक्षिक नियोजन एवं आर्थिक विकास
EDUCATIONAL PLANNING AND ECONOMIC DEVELOPMENT

शिक्षा के लिए की जाने वाली आर्थिक सुव्यवस्था को शैक्षिक नियोजन कहते है शिक्षा पर कम खर्च करके अधिक लाभ उठाने के लिए यह आवश्यक है कि समाज की सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक माँगों तथा बालकों की आवश्यकताओं को सामने रखकर शिक्षा का नियोजन किया जाए।

स्कार्टज के अनुसार :- "नियोजन विकल्पों में से चयन करता है यात्रा करने से पूर्व रास्तो का चयन करता है, कार्य के सम्भावित या होने वाले परिणामों की कल्पना करता है तथा यह संगठन किसी भी व्यक्ति के प्रति वांछित होता है।

शैक्षिक नियोजन की विशेषताएँ
Charactristics of Education Planning:-

1- शैक्षिक नियोजन व शिक्षा विषय पर केन्द्रीय व राज्य सरकार दोनों का ही समान योगदान होता है।

2 शैक्षिक योजनाओं द्वारा व्यक्ति व समाज दोनों के विकास पर बल दिया जाता है।

3- दीर्घ व अल्पकालीन योजनाओं द्वारा शिक्षा का विकास किया जाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

शैक्षिक नियोजन के तत्व Elements of Educational Planning-

1- समाज की सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक स्थिति

2- समाज की सामाजिक, राजनैतिक एवं आर्थिक भाग

3 समाज के आय के स्रोत, प्राकृतिक संसाधन एवं जनशक्ति

शैक्षिक नियोजन के पद
Steps of Educational Planning

1 योजना का प्रारूप - शैक्षिक नियोजन के लिए सर्वप्रथम योजना का प्रारूप तैयार किया जाता है। इस प्रारूप में समाज की सामाजिक, राजनैतिक, एवं आर्थिक स्थिति का विश्लेषण करके शिक्षा नीति, योजना के उद्देश्य एवं लक्ष्य प्राप्त करने हेतु कार्यक्रम तथा उन कार्यक्रमों को सम्मिलित करने की विधियाँ

2 परामर्श एवं अंगीकरण = शैक्षिक नियोजन को योजना का प्रारूप तैयार करने के बाद उसे प्रस्तावित किया जाता है.

3- मूल्यांकन एवं अग्रिम आयोजन - यह नियोजन का अंतिम पद होता है इस पद पर योजना की कार्य-प्रणाली एवं उपलब्धियों का मूल्यांकन किया जाता है

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

B.Ed प्रथम सेमे० 2022

"आर्थिक विकास ECONOMIC DEVELOPMENT"

आर्थिक विकास से अभिप्राय किसी देश अथवा राष्ट्र की आय की अनवरत वृद्धि से किया जाता है राष्ट्रीय आय (सामान्यतः) सकल राष्ट्रीय उत्पाद (GNP) से मापी जाती है। सकल राष्ट्रीय उत्पाद से मशीन, कल-पुर्जे, लागत एवं अन्य के ह्रास (घिसावट) से विशुद्ध राष्ट्रीय NNP का पता चलता है सामान्य व्यक्ति विशुद्ध राष्ट्रीय उत्पाद को ही राष्ट्रीय आय मानता है।

शब्दकोश के अनुसार: "आर्थिक सम्बन्ध समाज के अन्य (सम्बन्धों) को निश्चित करते हैं तथा आर्थिक आधार का निर्माण करते हैं।"

आर्थिक विकास के लक्ष्य
Aims of Economic DEVELOPment

प्रथम पंचवर्षीय योजना वर्ष 1951-52 में प्रारम्भ हुई हालांकि इन योजनाओं के लक्ष्य एवं उद्देश्य अलग थे

1 वृद्धि दर को बढ़ाने का लक्ष्य: भारत में आर्थिक योजना बहुत तेजी से आर्थिक वृद्धि लाती है जिससे कृषि, उद्योग बिजली, परिवहन एवं संचार तथा अन्य विभिन्न क्षेत्रों में आर्थिक विकास होता है

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

निवेश में वृद्धि : आय का अनुपात -निवेश में वृद्धि के राष्ट्रीय आय के रूप में पंचवर्षीय योजनाओं के प्रमुख लक्ष्यों में से एक था।

बेरोजगारी दूर करना : बेरोजगारी उन्मूलन को गरीबी उन्मूलन की एक आवश्यक शर्त के रूप में लिया जा रहा है क्योंकि निरन्तर बढ़ती प्रतिस्पर्धा के फलस्वरूप औद्योगिक बेरोजगारी बढ़ती जा रही है।

गरीबी उन्मूलन : आर्थिक विकास का महत्वपूर्ण लक्ष्य गरीबी की समस्या को समाप्त करना है गरीबी किसी भी देश या समाज के लिए एक अभिशाप होती है क्योंकि इसके कारण कम पूँजी निर्माण कम बचत कम उत्पादकता तथा कम आय प्राप्त होती है।

आर्थिक विकास के घटक
'Factors of Economic DEVELOPMENT'

तकनीकी प्रशिक्षण SKillful MANagement- तकनीकि ज्ञान एवं तकनीकी कौशलता मानव संसाधन विकास के रूप में मनुष्य के आर्थिक विकास का सबसे महत्वपूर्ण एवं उपयोगी घटक है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

अच्छी योजना :- किसी भी कार्य योजना में मानवीय तत्वों के अधिकतम उपयोग के लिए एवं आर्थिक विकास के लिए एक अच्छी योजना का निर्णय अति आवश्यक होता है।

पूँजी (Capital) किसी क्षेत्र में किसी भी उद्योग में विकास प्रायः पूंजी पर आधारित होता है नए उपकरण मशीनें एवं श्रमिकों के वेतन के लिए भी पूंजी आदि आवश्यक होती है

जनसंख्या (Population) जनसंख्या बाहुल्य क्षेत्र में श्रमिकों आसानी से प्राप्त हो जाते है परन्तु प्रति व्यक्ति आय की गणना करने पर विकसित देशों की अपेक्षा हमारे देश में कमी होती है

आर्थिक विकास में शिक्षा की भूमिका
'Role of Education in Economic Development

वर्तमान युग निरन्तर प्रतियोगिता का युग है जिसके अन्तर्गत शिक्षा एक अहम् भूमिका निभाती है आज शिक्षा की नींव पर ही सम्पूर्ण समाज एवं राष्ट्र का विकास निर्भर है

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

1- परिवार नियोजन के स्वीकार्य एवं किफायती रूप

2- गर्म देशों की बीमारियों का उन्मूलन

3- स्थानीय वस्तुओं की उपयोगिता को बढ़ना

1- शिक्षा द्वारा तकनीकी क्रान्ति :- शिक्षा द्वारा तकनीकी प्रशिक्षण देकर ही प्रत्यक्ष रूप से उत्पादन क्षमता में वृद्धि की जा सकती है जिससे व्यक्ति एवं राष्ट्र का आर्थिक विकास होता है।

शिक्षा द्वारा कार्य कुशलता में वृद्धि :- उत्पादन में श्रम एवं उद्यमशीलता को शिक्षा द्वारा ही विकसित किया जाता है। शिक्षित उद्यमी ही पूँजी श्रम व अन्य भौतिक संसाधनों का समुचित प्रयोग कर पाता है।

प्राचार्य
मीरा मेमोरियल महाविद्यालय
शिक्षण एवं प्रशिक्षण संस्थान
पाण्डेयपुर, ताखा, बलिया

AKHILESH YADAV
(B.Ed M.Ed B.H.U.)